Aadat Buri Sudhar Lo

आदत बुरी सुधार लो

Hindi Bhajan Lyrics

Lyrics of this Hindi devotional song are courtesy the

Musical Team of the

The All World Gayatri Pariwar (awgp.org)

founded by

Pandit Shriram Sharma Acharya

Lyrics courtesy - The All World Gayatri Pariwar (awgp.org)

आदत बुरी सुधार लो

आदत बुरी सुधार लो, बस हो गया भाजन।

मन की तरंग मार लो, बस हो गया भजन।।

दृष्टि में तेरे दोष है, दुनियाँ निहारती।

समता का अंजन आँज लो।। ..बस हो गया...।।

आए कहाँ से और अब, जाना कहाँ तुम्हें।

मन में यही विचार लो।। ..बस हो गया ...।।

नेकी सभी के साथ में, जितनी बने करो।

मत सिर बदी का भार लो।।.. बस हो गया...।।

कटुता मनों से त्याग दो, मीठे वचन कहो।

वाणी का स्वर सुधार लो।।..बस हो गया...।।

अच्छे बुरे जो भी तुम्हें, कर्मों के फल दिये।

हँसकर सभी गुजार लो।।..बस हो गया...।।

मुक्तक :-

निरंतर स्वस्थ चिंतन हो, यही सबसे बड़ा जप है।

न उतरा आचरण में जो, समूचा ज्ञान गपशप है।।

रहें भूखे मगर फिर भी, न खायें पाप की रोटी।

बचें बुरी आदतों से यही इस युग का बड़ा तप है।।